

२५२
२

पत्तापत्ती पेशा हुआ। वकील वादी का आवान
लगाई गई। बार-बार आवान लगाने के
बावजूद भी मामला में हारिष्ट नहीं
होगे पर वाद इतना दायरी इतना
जैवकी में व्यक्ति किता पाता ही पत्तापत्ती
केवल मुकाम होकर गायत से मत होकर
दाखिल पत्र हो।

इन्द्र

उपखण्ड अधिकारी दातारामगढ़